ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८१२५

बुलेटिन संख्या-७३
दिनांक- शुक्रवार, १६ अक्टूबर, २०२०

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३३.३ एवं २६.२ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८३ प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में ७२ प्रतिशत, हवा की औसत गति ४.० कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ३.३ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ६.६ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २६.४ एवं दोपहर में ३४.७ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(१७-२१ अक्टूबर, २०२०)

- ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी १७-२१ अक्टूबर तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-
- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में अगले तीन-चार दिनों तक मौसम के शुष्क रहने की सम्भावना है। उसके बाद २० अक्टूबर के शाम से लेकर २१ अक्टूबर के सुबह की अवधि में कहीं-कहीं हल्की वर्षा होने की सम्भावना है। आसमान में हल्के बादल देखे जा सकते हैं।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान ३४ से ३६ डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान २६-२७ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में पुरवा हवा चलने का अनुमान है। औसतन ४-६ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ७५ से ८० प्रतिशत तथा दोपहर में ४५ से ५० प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- शुष्क मौसम की संभावना को देखते हुए किसान अगात धान एवं मक्का की तैयार फसलों की कटाई एवं झराई करें। कटाई के बाद धान की फसल को २-३ दिनों तक खेत में सूखने के लिए रहने दें एवं उसके बाद धान की झड़ाई करें। खड़ी फसलों में कीट-व्याधि का निरीक्षण करते रहें।
- आलू, मक्का, चना, मटर, राजमा, मेथी एवं लहसुन फसलों के समय से बुआई के लिए खेतों की तैयारी करें। गोबर की सडी खाद १५०-२०० क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से पुरे खेत में अच्छी प्रकार विखेरकर एवं जुताई कर मिला दें। खेतों में अंकुरण के लायक नमी बनाये रखने के लिए खाली खेतों की प्रत्येक जुताई के बाद पाटा अवश्य चला दें।
- सूर्यमुखी की बुआई करे। बुआई के समय खेत की जुताई में ३०-४० किलोग्राम नेत्रजन, ८०-९० किलोग्राम फॉस्फोरस एवं ४० किलोग्राम पोटास का व्यवहार करे। उत्तर बिहार के लिए सूर्यमूखी की उन्नत संकुल प्रभेद मोरडेन, सूर्या, सी०ओ०-१ एवं पैराडेविक तथा संकर प्रभेद के लिए बी०एस०एच०-१, के०बी०एस०एच०-१, के०बी०एस०एच०-४४, एम०एस०एफ०एच०-१, एम०एस०एफ०एच०-८ एवं एम०एस०एफ०एच०-१७ अनुसंशित है। संकर किस्मों के लिए बीज दर ५ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा संकुल किस्मों के लिए ८ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई से पहले प्रति किलोग्राम बीज को २ ग्राम थीरम या कैप्टाफ दवा से उपचारित कर बुआई करे।
- धनियाँ की बुआई करें। राजेन्द्र स्वाती, पंत हरितिमा, कुमारगंज सेलेक्शन, हिसार आंनद धनियाँ की अनुसंशित किस्में है। पंक्ति में लगाने पर बीज दर १८-२० कि०ग्रा० प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दुरी ३०ग२० से०मी० रखें। २.५ ग्राम बेविस्टीन प्रति किलोग्राम बीज की दर से बीज को उपचारित करें। अच्छे जमाव के लिए बीज को दररकर दो भागो में विभाजित कर बुआई करें।
- सरसों एवं राई की बुआई करें। सरसों के लिए उन्नत प्रभेद ६६-१९७-३, राजेन्द्र सरसों-१ तथा स्वर्णा एवं राई के लिए किस्में वरुणा, पूसा वोल्ड, क्रान्ति एवं पूसा महक इस क्षेत्र के लिए अनुसंशित हैं। बीज दर ५ किलोंग्राम प्रति हेक्टेयर तथा बुआई ३०ग१० से०मी० पर कतार में करें। बुआई के समय खेत की जुताई में ३०-४० किलोग्राम नेत्रजन, ४० किलोग्राम स्फुर, ४० किलोग्राम पोटास एवं ३० से ४० किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे।
- लहसुन की बुआई छोटी-छोटी क्यारियों में करें। क्यारियों का आकार जिसमें चौराई १ से २ मीटर तथा लम्बाई अपनेनुसार ३ से ५ मीटर रखें। प्रत्येक २ क्यारियों के बीच जल निकास के लिए नाली अवश्य बनावें। गोदावरी (सेलेक्सन-१), श्वेता (सेलेक्सन-१०), एग्रीफाउंड डार्करेड (जी-११), एग्रीफाउंड व्हाईट (जी-४१), एग्रीफाउंड पार्वती (जी-३१३), जमुना सफेद-२ (जी०-५०), जमुना सफेद-३ (जी०-२८२), जमुना सफेद-४ (जी०-३२३) एवं आर०ए०यू० (जी-५) लहसुन की अनुसंशित किस्में है। बीज दर ३००-५०० किलोग्राम जावा प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दुरी १५ग१० से०मी० रखें। खेत की जुताई में प्रति हेक्टेयर २०० से २५० क्विंटल कम्पोस्ट, ६० किलोग्राम नेत्रजन, ८० किलोग्राम फॉसफोरस, ८० किलोग्राम पोटास एवं २०-४० किलोग्राम सल्फर का प्रयोग करें।
- मसुर के मल्लिका(के०-७५), अरुण (पी०एल० ७७-१२), बी०आर०-२५ के०एल०एस०- २१८, एच०यू०एल०-५७, पी०एल०-५ एवं डब्लू०वी०एल० ७७ किस्मो की बुआई कर सकते है। बुआई के समय खेत की जुताई में २० किलोग्राम नेत्रजन, ४५ किलोग्राम फॉसफोरस, २० किलोग्राम पोटास एवं २० किलोग्राम सल्फर का व्यवहार करें। बुआई के २-३ दिन पूर्व कार्बेन्डाजीम फुंदनाशक दवा का १.० ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से शोधित करें। तत्पश्चात कीटनाशी दवा क्लोरपाईरीफॉस २० ई.सी. का ८ मि.ली. प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर (५ पैकेट प्रति हेक्टेयर) से उपचारित कर बुआई करें। छोटे दाने की प्रजाति के लिए बीज दर ३०-३५ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर एवं बड़े दाने के लिए ४०-४५ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर एवं बुआई की दुरी पंक्ति से पंक्ति ३० से०मी० रखें।

आज का अधिकतम तापमानः ३४.३ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.६ डिग्री अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः २५.४ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ३.० डिग्री अधिक

(डॉ० गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी